



Ravesh



Aayushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120718502

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

Ravesh का वर्ग मूषक है तथा Aayushi का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Ravesh और Aayushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ravesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।
क्योंकि मंगल एवं राहु Ravesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Aayushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Aayushi कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।

क्योंकि शनि Aayushi कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

Ravesh तथा Aayushi में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।

Astrologer Sourabh Tripathi

Astrology | Vastu | Gems Stone

+917024551008

P.sjk1008@gmail.com